

5

खाग उड़ते रहना जीवन भर

(कविता)

Vocabulary समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment) based on CCE शब्द-ज्ञान

1. कोष्ठक में दिए गए शब्दों को बहुवचन रूप में परिवर्तित करके खाली जगह भरिए-

हम पंछी उन्मुक्त गगन के-

प्यार तुझे करने वाले ही (देखेगा)

और मिट गया (चलता-चलता)

मंजिल पथ तय (करता-करता)

जग उन्नत भाल और पर (आँख)

खग रहना जीवन भर (उड़ता)

2. दिए गए शब्दों के समान अर्थ छाँटकर लिखिए-

प्रसन्न -

कटुक -

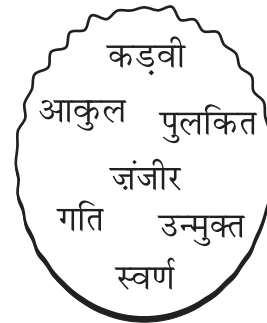
चाल -

बेचैन -

शृंखला -

स्वतंत्र -

सोना -



Grammar **समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment)** based on CCE व्याकरण

1. निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण-विशेष्य छाँटकर लिखिए-

	विशेषण	विशेष्य
तुम मीठी नींद में सोए रहते हो।
सारा आकाश इनका अपना है।
किसी की लंबी चोंच होती है।
पक्षी नन्हीं चोंच से पत्ते सिलते हैं।

2. रेखांकित शब्दों के विलोम अर्थ से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

- (क) कोयल का स्वर मीठा होता है तो कौए का
- (ख) किसी पक्षी की चोंच छोटी होती है तो किसी पंछी की
- (ग) कुछ पक्षी रात में भोजन तलाशते हैं तो कुछ में।
- (घ) किसी का रंग गहरा होता है तो किसी का
- (ङ) कुछ पक्षी परिश्रमी होते हैं तो कुछ

3. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए-

- (क) आजकल लोगों से चेतना आई है।
.....
- (ख) उसके कमीज़ के बटन टूटे हैं।
.....
- (ग) वह अपनी बहन को पुस्तकें लाया।
.....
- (घ) हमें बुजुर्गों से सम्मान करना चाहिए।
.....
- (ङ) भारत को त्योहारों के लिए देश कहा जाता है।
.....

Writing Tasks **समेटिव असेसमेंट (Summative Assessment)** based on CCE लेखन-कार्य

1. अति लघु उत्तर लिखिए—

(क) 'खग उड़ते रहना जीवन भर' के रचयिता कौन हैं?

.....

(ख) खग क्या भूल गया है?

.....

2. लघु उत्तर लिखिए—

(क) यदि खग अपने पथ से लौट जाएगा तो क्या होगा?

.....

.....

.....

(ख) इस कविता से क्या सीख मिलती है?

.....

.....

.....

3. दीर्घ उत्तर लिखिए—

(क) हम अपनी मंज़िल तक कैसे पहुँच सकते हैं?

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(ख) कविता का मूलभाव अपने शब्दों में लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

Comprehension Passage

लेखांश-बोध फॉरमेटिव असेसमेंट (Formative Assessment) based on CCE

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

एक दिन रात में दो बजे बादशाह ने अपने सेनापति को बुलाकर कहा, “हमारे सब मंत्रियों को, उनके घरों से उठाकर इस कमरे में ले आओ, लेकिन वे जिस हालत में हों, उसी हालत में लाए जाएँ।” कोई एक घंटे में सब बादशाह के बड़े कमरे में आ गए। आठ में से सात मंत्री नशे में थे। उनमें से कुछ जुआ खेल रहे थे। वित्तमंत्री जी बनियान पहने एक चौकी पर बैठे दीए की रोशनी में कोई कागज़ देख रहे थे। सब मंत्री लज्जित हुए। तब बादशाह ने वित्तमंत्री से पूछा, “जनाब, रात में दो बजे किस कागज़ में उलझे हुए थे?” उसने उत्तर दिया, “हुजुर, दूर के इलाके से इस साल का जो राज-कर आया है, उसमें पिछले साल से एक पैसा कम है, तो बार-बार देख रहा था कि जोड़ में भूल है या सचमुच पैसा कम है।”

बादशाह ने अपनी जेब से एक पैसा फेंककर कहा, “लो, अब हिसाब ठीक कर दो और जाओ आराम करो।” वित्तमंत्री ने नम्रता के साथ पैसा वापस करते हुए कहा, “हुजुर, पैसा तो मैं भी डाल सकता था, पर यदि पैसा कम है और इसके लिए पूछताछ न हुई, तो इससे अफ़सरों में ढील और बेईमानी पैदा होगी।”

1. शब्दों में प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए—

चौक + ई = रोशन + ई = लज्जा + इत =

2. बहुवचन रूप लिखिए—

पिछला = जोड़ =

नशा = घंटा =

3. उचित उत्तर में ✓ का निशान लगाइए—

(क) कितने मंत्री नशे में थे?

चार



सात



आठ



(ख) बादशाह ने सेनापति को कब बुलाया?

रात के दो बजे



दिन के दो बजे



सुबह पाँच बजे



4. प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

(क) वित्तमंत्री क्या कर रहे थे?

.....

(ख) बादशाह ने अपनी जेब से एक पैसा देते हुए क्या कहा?

.....

(ग) वित्तमंत्री ने एक पैसा क्यों नहीं लिया?

.....

.....